

DNS-01

December – Examination 2020

Diploma in Naturopathy Science Examination

प्राकृतिक चिकित्सा एवं रोगोपचार विधियाँ

Paper : DNS-01

Time : 2 Hours]

[Maximum Marks : 100

Note :- The question paper is divided into two Sections A and B. Write answers as per the given instructions.

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section-A

10×2=20

(Very Short Answer Type Questions)

Note :- Answer all questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to **30** words. Each question carries 2 marks.

खण्ड—अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) आधुनिक प्राकृतिक चिकित्सा का जन्मदाता किसे कहते हैं ?
- (ii) “दोष एवहि सर्वेषां रोगाणामेकं कारणम्” किसने कहा ?
- (iii) सूर्य किरण चिकित्सा का जन्मदाता कौन है ?
- (iv) कौनसे बौद्ध ग्रंथ में मिट्टी चिकित्सा के संकेत मिलते हैं ?
- (v) जिनके पाँव सदैव ठंडे रहते हैं उन्हें किस रंग के मोजे पहनने चाहिए ?
- (vi) तेल अभ्यंग विधियाँ लिखिए।
- (vii) जल के प्रकार लिखिए।
- (viii) कनीनिका (Iris) क्या है ?
- (ix) रक्त वाहिनी नाड़ियों के अन्दर के आवरण पर रक्त की तरंगों के आघात को क्या कहते हैं ?
- (x) सूर्य किरण से चार्ज करने के लिए कौनसा पेपर लगाना चाहिए ?

Section-B

4×20=80

(Short Answer Type Questions)

Note :- Answer any four questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 20 marks.

खण्ड—ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2. शिवाम्बु कल्प की विवेचना कीजिए।
3. संतुलित भोजन का वर्णन करते हुए भोजन के कार्य लिखिए।
4. चेहरे एवं नाखून के निरीक्षण से रोगों की पहचान कैसे की जाती है ?
5. कल्प चिकित्सा (Kalp Chikitsa) के महत्त्व को समझाइए।
6. प्राकृतिक चिकित्सा में भारत का क्या योगदान है ?
7. उपवास के सिद्धान्त को समझाते हुए किन्हीं आठ प्रकारों का वर्णन कीजिए।
8. अभ्यंग चिकित्सा का अर्थ, परिभाषा एवं विधियाँ बताइए।
9. गौमूत्र चिकित्सा एवं घी चिकित्सा का वर्णन कीजिए।